प्रतिदर्श प्रश्नपत्र (2022-23)

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा - दसवीं

Sample Paper - 8

निर्धारित समय :3 घंटे **पूर्णांक :80**

सामान्य निर्देश :-

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्ति की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपने पेशे या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है, भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्राय आती है, क्योंकि उद्योग धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बदलने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो तो इसके लिए भूखे मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

(i) कुशल श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है?

क) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे उसके पेशे का चुनाव दूसरे कर सके।

ख) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे उसके पेशे का चुनाव दूसरे न कर सके।

ग) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।

घ) व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं न कर सके।

(ii) जाति-प्रथा के सिद्धांत का दूषित विचार क्या है ?

क) उसके पेशे को अपर्याप्त करना

ख) उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना

ग) उसके पेशे को निश्चित करना

घ) उसके पेशे का उसके द्वारा निर्धारण करना

(iii) हिन्दू धर्म की जाति-प्रथा किसी भी व्यक्ति को कौनसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है ?

क) जिसमें वह पारंगत हो

ख) जो उसका पैतृक पेशा हो

ग) जिसमें वह पारंगत न हो

घ) जो उसका पैतृक पेशा न हो

(iv) कौनसा विभाजन मनुष्य की रूचि पर आधारित है?

क) जाति प्रथा

ख) उपरोक्त में से कोई नहीं

ग) श्रम विभाजन

घ) जाति विभाजन

(v) भारत में बेरोजगारी के प्रमुख कारक हैं-

i. मनुष्य का अपनी रूचि के अनुसार कार्य का चुनाव
ii. पैतृक पेशे का चुनाव
iii. पेशा बदलने की स्वतंत्रता न मिलना
iv. गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर देना

क) कथन i, ii व iv सही हैं

ख) कथन ii सही है

ग) कथन ii व iii सही हैं

घ) कथन i, ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

19 वीं शताब्दी में राष्ट्रीय चेतना का उद्भव वस्तुत: अंग्रेजी शासन का परिणाम था। अंग्रेजी शासन ने जो परिवर्तन आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में किए थे, उनके परिणामस्वरूप भारतीय जनता के सभी वर्गों का ही शोषण हुआ था, जिससे कि जनता के बीच असंतोष की भावना ने एक व्यापक रूप लिया। दूसरी तरफ अंग्रेजों ने डाक और तार व्यवस्था, रेल, छापेखाने, एकरूप प्रशासन आदि का विकास किया। यद्यपि इनका विकास एक सुचारु प्रशासन चलाने की दृष्टि से किया गया था तथापि इन सभी ने राष्ट्रीय चेतना के उद्भव में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
19वीं शताब्दी में एक राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी-न -किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानंद ने

अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था। उन्होने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उद्देश्य भिन्न हैं, परंतु भारत को जगाना होगा, कुसंस्कारों एवं जाति-विद्वेष को त्यागना होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित एवं गरीब जनता को ही 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी, उनका उत्थान करना होगा।
विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है। यहाँ गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनिकों को अधिक प्रकाश की जरूरत है। वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी, दरिद्र सभी को भाई मानें और गर्व से कहें-हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए, जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके। विचारों में विवेकानंद गाँधीजी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन 19 वीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

(i) संपूर्ण भारत में एक राष्ट्रीय जागरण किसी-न-किसी रूप में कब अभिव्यक्त हो रहा था?

क) उन्नीसवीं शताब्दी में
ख) अट्ठारहवीं शताब्दी में
ग) बीसवीं शताब्दी में
घ) सत्रहवीं शताब्दी में

(ii) विवेकानंद जी ने कौन-सा स्वप्न देखा था?

क) पूर्व व पश्चिम के श्रेष्ठ तत्त्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का
ख) भारत को सास्कृतिक तत्त्वों की ओर उन्मुख करने का
ग) भारत को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्र कराने का
घ) भारत द्वारा पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण करने का

(iii) विवेकानंद जी के अनुसार किन्हें **दरिद्रनारायण** मानकर उनकी सेवा करनी होगी?

क) साधु और संतों की
ख) इनमें से कोई नहीं
ग) देश की अशिक्षित व गरीब जनता की
घ) देश के शिक्षित नवयुवकों की

(iv) विवेकानंद जी का मत क्या था?

क) पाश्चात्य सभ्यता ही सभी सभ्यताओं की जननी है
ख) भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है
ग) पाश्चात्य सभ्यता का अनुकरण करना ही श्रेष्ठ है
घ) भारत में गरीबी और अशिक्षा बहुत अधिक है

(v) **कथन (A):** विवेकानंद मनुष्य को मानव बनाना चाहते थे।
कारण (R): प्रत्येक देशवासी स्वयं के कुसंस्कारों को त्याग कर मानव बन सकता है।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा
ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु

(R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। | (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है। | घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) मुझे ऋतु घर से **दिखाई दे रही है**। - रेखांकित पद में कैसा पदबंध है?

क) सर्वनाम पदबंध
ख) विशेषण पदबंध
ग) संज्ञा पदबंध
घ) क्रिया पदबंध

(ii) किस वाक्य में रेखांकित पदबंध क्रिया पदबंध है ?

क) **चोट खाए हुए लोगों** से सावधान रहो।
ख) **मेरी छोटी बहन** स्कूल गई है।
ग) **कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी** तक भारत एक है।
घ) बच्चे **खेल रहे हैं** ।

(iii) **विरोध करने वाले व्यक्तियों में से कोई** नहीं आया। - रेखांकित पद में कैसा पदबंध है?

क) विशेषण पदबंध
ख) संज्ञा पदबंध
ग) क्रिया पदबंध
घ) सर्वनाम पदबंध

(iv) जब पवन की करतूतों की पोल खुली तो वह ________ उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

क) पानी-पानी हो गया
ख) मीठी छुरी हो गया
ग) राई का पहाड़ हो गया
घ) फरिशता हो गया

(v) किस वाक्य का रेखांकित पदबंध विशेषण पदबंध नहीं है?

क) **झूठे और मक्कार** लोगों पर विश्वास मत करो।
ख) **खाली सुनसान** सड़क पर बहुत शान्ति थी।
ग) मुझे **अँधेरी काली** रात में डर लगता है।
घ) **गरीब और ईमानदार लोग** सभी को अच्छे लगते हैं।

4. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) यथासमय

क) समय के साथ - अव्ययीभाव समास

ख) समय के अनुसार - अव्ययीभाव समास

ग) यथा है जो समय - अव्ययीभाव समास

घ) जो समय सही हो - कर्मधारय समास

(ii) <u>**आधा पका**</u> भोजन खाने से पेट खराब हो गया। रेखांकित शब्द का समास का भेद बताइए-

क) अव्ययी भाव

ख) द्वंद्व

ग) तत्पुरुष

घ) बहुव्रीहि

(iii) **लंबोदर** समस्त पद में कौन-सा समास है-

क) द्वंद्व

ख) अव्ययी भाव

ग) बहुव्रीहि

घ) द्विगु

(iv) लोग <u>**नवग्रह**</u> की पूजा करते हैं। रेखांकित शब्द का समास का भेद बताइए-

क) द्वंद्व

ख) बहुव्रीहि

ग) तत्पुरुष

घ) द्विगु

(v) **गंगाजल** में कौन-सा समास है?

क) तत्पुरुष समास

ख) बहुव्रीहि समास

ग) द्वंद्व

घ) अव्ययीभाव समास

5. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) सच बोलने वाले व्यक्ति को कोई डरा नहीं सकता। (मिश्रित वाक्य)

क) जो व्यक्ति सच बोलता है उसे कोई डरा नहीं सकता।

ख) वे सच बोलने वाले व्यक्ति हैं और उन्हें कोई नहीं डरा नहीं सकते।

ग) सच बोलने वाले व्यक्ति को कोई डरा नहीं सकता।

घ) उन्हें कोई डरा नहीं सकता, इसलिए वे सच बोलते हैं।

(ii) **परीक्षाएँ समाप्त होते ही हम आगरा गए।** वाक्य का संयुक्त रूप है-

क) परीक्षाएँ समाप्त हुई और हम आगरा चले गए।

ख) परीक्षाएँ समाप्त हुई नहीं कि हम आगरा गए।

ग) जैसे ही परीक्षाएँ समाप्त हुई वैसे ही हम आगरा गए।

घ) क्योंकि परीक्षाएँ समाप्त हो गई थी इसलिए हम आगरा जाएँगे।

(iii) वह मतलबी हो गया है कि सबको धोखा देता है। (संयुक्त वाक्य)

क) वह सबको धोखा देता है इसलिए वह मतलबी है।

ख) उसने मतलबी होकर सबको धोखा दिया।

ग) मतलबी होने के कारण वह सबको धोखा देता है।

घ) वह मतलबी हो गया है इसलिए सबको धोखा देता है।

(iv) निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य चुनकर लिखिए-

i. लड़कों का एक झुंड पतंग के पीछे-पीछे दौड़ा चला आ रहा था।
ii. पतंग के पीछे-पीछे लड़कों का एक झुंड था और वह दौड़ा चला आ रहा था।
iii. लड़कों का जो झुंड था वह पतंग के पीछे-पीछे दौड़ा चला आ रहा था।
iv. पतंग के पीछे-पीछे दौड़ा चला आ रहा झुंड लड़कों का था।

क) विकल्प (iii)

ख) विकल्प (iv)

ग) विकल्प (ii)

घ) विकल्प (i)

(v) आज हमारे घर राजमा बने हैं और चावल भी बने हैं। (सरल वाक्य)

क) जब मेरे घर राजमा बनते है, तब चावल भी बनते हैं।

ख) हमारे घर में राजमा बनने पर चावल बनाए जाते हैं।

ग) आज मेरे घर राजमा और चावल बने हैं।

घ) क्योंकि आज मेरे घर राजमा बने हैं इसलिए चावल भी बने हैं।

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) संयम के पास थोड़ा रुपया क्या आया, वह तो _______लगा है|

क) हवा में चलने

ख) हवा पर बैठने

ग) हवा से बातें करने

घ) हवा में उड़ने

(ii) कठोरतापूर्वक व्यवहार करना

क) हाथों-हाथ लेना

ख) टेढ़े हाथों लेना

ग) सीधे हाथों लेना

घ) आड़े हाथों लेना

(iii) अपनी सखी को दुर्घटनाग्रस्त देखकर मेरी ________।

क) आँख चली गई

ख) आँख रोने लगी

ग) आँख दर्द करने लगी

घ) आँख भर आई

(iv) असलियत सामने लाना

क) रंग दिखाना ख) रंग चढ़ना

ग) सच्चाई बताना घ) रूप दिखाना

(v) राजेश सदा ________ की तरह काम करता रहता है। रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे से कीजिए।

क) तीन-पाँच करना ख) तेली के बैल

ग) डेढ़ चावल की खिचड़ी घ) टेढ़ी खीर

(vi) मेहमान के स्वागत में सीमा को ________ अच्छा लगता है। रिक्त स्थान की पूर्ति उचित मुहावरे द्वारा कीजिए।

क) आँखें तरेरना ख) आँखें निकालना

ग) आँखें फेरना घ) आँखें बिछाना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया- **बढ़ते कदम** का क्या अर्थ है?

क) चलने की कोशिश करते कदम ख) जान बचाने के लिए उठते कदम

ग) सीमा पार करने के लिए उठते कदम घ) शत्रु को खदेड़ने के लिए उठते कदम

(ii) वैजयंती माला किसके गले में शोभायमान है?

क) धेनु के गले में ख) मीरा के गले में

ग) राम के गले में घ) श्रीकृष्ण के गले में

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि।
सुखिया सब संसार है, खावै अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवै।।

(i) **जब मैं था तब हरि नहीं** से कवि का क्या आशय है?

क) जब मेरे मन में अहंकार था तब मुझे हरि के दर्शन नहीं हुए ख) जब मैं था तब हरि मुझे नहीं मिले

ग) जब हरि नहीं थे तब मैं नहीं था घ) मैं था किन्तु हरि नहीं थे

(ii) अहंकार समाप्त हो जाने पर कवि का जीवन कैसा हो गया?

क) उनका जीवन धन-दौलत से भरपूर हो गया

ख) उनका जीवन एक साधु की तरह हो गया

ग) उनका जीवन निष्कलंक हो गया

घ) उन्हें ईश्वर की सर्वव्यापकता का ज्ञान हो गया और उनको हरि की प्राप्ति हो गई

(iii) कवि ने यहाँ किस दीपक की बात की है?

क) सूर्य का प्रकाश

ख) आत्मज्ञान रूपी दीपक

ग) शुद्ध घी से जलने वाला दीपक

घ) प्रकाश फैलाने वाला दीपक

(iv) सारा संसार कबीर की दृष्टि में सुखी क्यों है?

क) क्योंकि वे भोग-विलास में लिप्त हैं

ख) सभी

ग) क्योंकि उनको कोई चिंता नहीं है

घ) क्योंकि उनके लिए भोग-विलास ही सुख है

(v) उपरोक्त दोहों के अनुसार निम्न में से कौन सही हैं?

i. कबीर केवल सोता खाता है।

ii. लोग केवल सोते हैं।

iii. ज्ञान के प्रकाश से हम सच्चाई को देख सकते हैं।

iv. परमात्मा हमारे भीतर ही वास करता है।

v. सारा संसार सुखी है।

क) केवल (ii), (iii) और (v)

ख) (iii) और (iv)

ग) (i), (ii), (iii), (iv), (v)

घ) केवल (i) और (v)

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

सदियों पूर्व, जब लिटिल अंडमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर-सा गाँव था। पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता था। अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्त्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते थे। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँव में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते थे। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता था।

(i) ततााँरा द्वारा परम कर्त्तव्य माना गया है?

क) अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना

ख) पशु-पर्व में सम्मिलित होना

ग) अपने गाँववासियों की सहायता करना

घ) समूचे द्वीपवासियों की सहायता करना

(ii) निकोबार के लोगों द्वारा तताँरा से प्रेम करने का क्या कारण था?

क) क्योंकि वह अत्यंत सुंदर था

ख) क्योंकि वह उनके गाँव का नवयुवक था

ग) क्योंकि वह सबकी सहायता करने के लिए तैयार रहता था

घ) क्योंकि उसके पास अद्भुत तलवार थी

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): अपने अत्याचारों के कारण वह चर्चित था।
कारण (R): वह कभी भी किसी की सहायता नहीं करता था।

क) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ख) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

घ) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(iv) तताँरा को दूसरे गाँव के पर्व-त्योहारों में क्यों आमंत्रित किया जाता था?

क) उसके गंभीर स्वभाव के कारण

ख) उसके आकर्षक व्यक्तित्व के कारण

ग) मुसीबत में पड़े लोगों की सहायता करने के कारण

घ) सके द्वारा परंपराओं को महत्त्व देने के कारण

(v) गद्यांश के अनुसार तताँरा के चरित्र की क्या विशेषता है?

क) आकर्षक व्यक्तित्व की

ख) सभी विकल्प सही हैं

ग) कर्त्तव्यनिष्ठता की

घ) त्यागमय स्वभाव की

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। **[2]**

(i) **तीसरी कसम** के अभिनेता राजकपूर ने **मेरा नाम जोकर** के निर्माण के समय किस बात की कल्पना भी नहीं की थी?

क) सभी विकल्प सही हैं

ख) इसमें काफी कंप्यूटर तकनीक

का प्रयोग करना होगा

ग) इसमें अभिनेताओं को बदलना होगा

घ) इसे पूरा होने में छह वर्ष का वक़्त लगेगा

(ii) **अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले** पाठानुसार लेखक के अनुसार महान व्यक्ति कैसा होता है?

क) चुप

ख) गुस्से वाला

ग) विनम्र एवं शांत

घ) फुर्तीला

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) कवि शरारती बच्चों और पक्षियों का वर्णन करके क्या बताना चाहता हैं? 'तोप' कविता के आधार पर बताइए।

(ii) **आत्मत्राण** कविता में क्या कवि की यह प्रार्थना आपको अन्य प्रार्थना गीतों से अलग लगती है यदि हाँ, तो कैसे?

(iii) पर्वत प्रदेश में वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य कई गुना बढ़ जाता है, परंतु पहाड़ों पर रहने वाले लोगों के दैनिक जीवन में कठिनाइयाँ उत्पन्न होती होंगी? इनके विषय में लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) 'बड़े भाई साहब' पाठ के किन अंशों से पता चलता है कि- भाई साहब के भीतर भी एक बच्चा है।

(ii) आत्मविश्वास सफलता प्राप्ति का मूल मंत्र है। कारतूस पाठ के आधार पर बताइए।

(iii) जीवन की रफ़्तार बढ़ गई है। यहाँ कोई चलता नहीं, बल्कि दौड़ता है। कोई बोलता नहीं, बकता है। हम जब अकेले पड़ते हैं तब अपने आप से लगातार बड़बड़ाते रहते हैं। 'झेन की देन' पाठ के आधार पर बताइए कि वर्तमान जिंदगी केवल भागमभाग का पर्याय बन कर रह गई है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए: **[6]**

(i) आम आदमी की धर्म के प्रति अंधश्रद्धा को धर्म के ठेकेदार किस रूप में भुनाते हैं? 'हरिहर काका' कहानी में काका किस प्रकार इसका शिकार हुए? व्यक्ति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण उसे किस प्रकार बचा सकता है?

(ii) लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए क्या-क्या योजनाएँ बनाया करता था तथा उसे पूरा न कर पाने की स्थिति में किसकी भाँति **बहादुर** बनने की कल्पना किया करता था? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए।

(iii) इफ़्फ़न के घर में उसकी दादी की मृत्यु के बाद एक खालीपन सा आ जाता है। टोपी को वह घर अब खाने को दौड़ता था। उस घर में एक दादी ही थीं जो उससे स्नेह रखती थीं।

हमारे बुजुर्ग हमारी विरासत होते हैं - 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर बताइए कि आप अपने घर में रह रहे बुजुर्गों का ध्यान कैसे रखेंगे?

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. आपके मोहल्ले में बिजली प्रायः रात्रि के समय कई-कई घंटों के लिए चली जाती है। बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों से अवगत कराते हुए बिजली विभाग के संबंधित अधिकारी को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

नगर निगम को एक पत्र लिखिए जिसमें नालियों की सफ़ाई एवं कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का सुझाव हो।

15. **परीक्षा के कठिन दिन** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

अथवा

अबला नहीं, सबला है नारी विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

अथवा

आलस्य : मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आलस्य और मनुष्य जीवन
- आलस्य के नुकसान
- सफलता पाने के लिए आलस्य को त्यागना आवश्यक

16. वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित किए जा रहे किसी आयोजन के प्रमुख आकर्षणों का उल्लेख करते हुए लगभग 25-30 शब्दों में एक सूचना लिखिए। **[4]**

अथवा

अभिषेक वर्मा, दिल्ली पब्लिक विद्यालय के हेड ब्वाय की ओर से सुनामी पीड़ितों के लिए धनराशि दान करने हेतु 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

17. **वृक्ष की व्यथा** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

आपको चरित्र प्रमाण-पत्र की आवश्यकता है। चरित्र प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य abcschool@gmail.com को ईमेल लिखिए।

18. विद्यालय की कलावीथि में कुछ चित्र (पेंटिंग्स) बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। इसके लिए एक विज्ञापन लिखिए। **[3]**

अथवा

आपके मुहल्ले में संगीत संध्या का आयोजन होने जा रहा है। इसके अधिकाधिक प्रचार के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

Solution

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित है। कुशल व्यक्ति या सक्षम श्रमिक समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्ति की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपने पेशे या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धांत के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित सिद्धांत यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार पहले से ही अर्थात गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।
जाति-प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्वनिर्धारण ही नहीं करती, बल्कि मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बाँध भी देती है, भले ही पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त होने के कारण वह भूखों मर जाए। आधुनिक युग में यह स्थिति प्राय आती है, क्योंकि उद्योग धंधे की प्रक्रिया व तकनीक में निरंतर विकास और कभी-कभी अकस्मात परिवर्तन हो जाता है, जिसके कारण मनुष्य को अपना पेशा बद्लने की आवश्यकता पड़ सकती है और यदि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी मनुष्य को अपना पेशा बदलने की स्वतंत्रता न हो तो इसके लिए भूखे मरने के अलावा क्या चारा रह जाता है? हिंदू धर्म की जाति प्रथा किसी भी व्यक्ति को ऐसा पेशा चुनने की अनुमति नहीं देती है, जो उसका पैतृक पेशा न हो, भले ही वह उसमें पारंगत है। इस प्रकार पेशा-परिवर्तन की अनुमति न देकर जाति-प्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख व प्रत्यक्ष कारण बनी हुई है।

(i) **(ग)** व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।
व्याख्या: व्यक्ति की क्षमता को इस सीमा तक विकसित करना जिससे वह अपने पेशे का चुनाव स्वयं कर सके।
(ii) **(ख)** उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना
व्याख्या: उसके पेशे का उसके जन्म से पूर्व निर्धारण करना
(iii) **(घ)** जो उसका पैतृक पेशा न हो
व्याख्या: जो उसका पैतृक पेशा न हो
(iv) **(ग)** श्रम विभाजन
व्याख्या: श्रम विभाजन
(v) **(ग)** कथन ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन ii व iii सही हैं

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
19 वीं शताब्दी में राष्ट्रीय चेतना का उद्भव वस्तुत: अंग्रेजी शासन का परिणाम था। अंग्रेजी शासन ने जो परिवर्तन आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में किए थे, उनके परिणामस्वरूप भारतीय जनता के सभी वर्गों का ही शोषण हुआ था, जिससे कि जनता के बीच असंतोष की भावना ने एक व्यापक रूप लिया। दूसरी तरफ अंग्रेजों ने डाक और तार व्यवस्था, रेल, छापेखाने, एकरूप प्रशासन आदि का विकास किया। यद्यपि इनका विकास एक सुचारु प्रशासन चलाने की दृष्टि से किया गया था तथापि इन सभी ने राष्ट्रीय चेतना के उद्भव में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

19वीं शताब्दी में एक राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी-न -किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था, जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानंद ने अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का स्वप्न देखा था। उन्होने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उद्देश्य भिन्न हैं, परंतु भारत को जगाना होगा, कुसंस्कारों एवं जाति-विद्वेष को त्यागना होगा, शिक्षित होकर देश की अशिक्षित एवं गरीब जनता को ही 'दरिद्रनारायण' मानकर उनकी सेवा करनी होगी, उनका उत्थान करना होगा।
विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है। यहाँ गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है तथा दरिद्रों की अपेक्षा धनिकों को अधिक प्रकाश की जरूरत है। वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी, दरिद्र सभी को भाई मानें और गर्व से कहें-हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना, आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए, जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके। विचारों में विवेकानंद गाँधीजी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन 19 वीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

(i) **(क)** उन्नीसवीं शताब्दी में
व्याख्या: उन्नीसवीं शताब्दी में
(ii) **(क)** पूर्व व पश्चिम के श्रेष्ठ तत्त्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का
व्याख्या: पूर्व व पश्चिम के श्रेष्ठ तत्त्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का
(iii) **(ग)** देश की अशिक्षित व गरीब जनता की
व्याख्या: देश की अशिक्षित व गरीब जनता की
(iv) **(ख)** भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है
व्याख्या: भारत में जो जितना दरिद्र है, वह उतना ही साधु है
(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** क्रिया पदबंध
व्याख्या: दिखाई देना क्रिया है।
(ii) **(घ)** बच्चे **खेल रहे हैं** ।
व्याख्या: बच्चे **खेल रहे हैं** । वाक्य में प्रयुक्त पदबंध, क्रिया पदबंध है।
(iii) **(घ)** सर्वनाम पदबंध
व्याख्या: 'कोई' सर्वनाम का उदाहरण है।
(iv) **(क)** पानी-पानी हो गया
व्याख्या: पानी-पानी हो गया
(v) **(घ)** **गरीब और ईमानदार लोग** सभी को अच्छे लगते हैं।
व्याख्या: यह विशेषण पदबंध नहीं है क्योंकि यह संज्ञा पदबंध के साथ प्रयुक्त हुआ है।

4. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** समय के अनुसार - अव्ययीभाव समास
व्याख्या: यह विकल्प सही है क्योंकि यह विकल्प 'यथा और समय' के योग से बना है और इसका पूर्व पद 'यथा' अव्यय है इसलिए इसका विग्रह 'समय के अनुसार' और समास 'अव्ययीभाव' होगा।
(ii) **(क)** अव्ययी भाव
व्याख्या: अव्ययी भाव
(iii) **(ग)** बहुव्रीहि
व्याख्या: बहुव्रीहि
(iv) **(घ)** द्विगु
व्याख्या: द्विगु
(v) **(क)** तत्पुरुष समास
व्याख्या: गंगाजल - गंगा का जल

5. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** जो व्यक्ति सच बोलता है उसे कोई डरा नहीं सकता।
व्याख्या: यह विकल्प सही है। विशेषण आश्रित उपवाक्य
(ii) **(क)** परीक्षाएँ समाप्त हुई और हम आगरा चले गए।
व्याख्या: परीक्षाएँ समाप्त हुई और हम आगरा चले गए।
(iii) **(घ)** वह मतलबी हो गया है इसलिए सबको धोखा देता है।
व्याख्या: यह विकल्प सही है। समुच्चय बोधक- इसलिए का प्रयोग।
(iv) **(क)** विकल्प (iii)
व्याख्या: लड़कों का जो झुंड था वह पतंग के पीछे-पीछे दौड़ा चला आ रहा था।
(v) **(ग)** आज मेरे घर राजमा और चावल बने हैं।
व्याख्या: यह विकल्प सही है। उद्देश्य- आज मेरे घर राजमा और चावल, विधेय- बने हैं।

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** हवा में उड़ने
व्याख्या: हवा में उड़ने लगा - वास्तविकता से दूर
(ii) **(घ)** आड़े हाथों लेना
व्याख्या: आड़े हाथों लेना - घर के सामने कूड़ा डालने पर उसने पड़ोसी को आड़े हाथों लिया।
(iii) **(घ)** आँख भर आई
व्याख्या: आँख भर आई - दुखी होना
(iv) **(क)** रंग दिखाना
व्याख्या: रंग दिखाना - मुसीबत के समय अपने भी रंग दिखा देते हैं।
(v) **(ख)** तेली के बैल
व्याख्या: तेली के बैल
(vi) **(घ)** आँखें बिछाना
व्याख्या: आँखें बिछाना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** शत्रु को खदेड़ने के लिए उठते कदम
व्याख्या: बढ़ते कदम का अर्थ है - शत्रु को खदेड़ने के लिए उठते कदम I
(ii) **(घ)** श्रीकृष्ण के गले में
व्याख्या: वैजयंती माला श्रीकृष्ण के गले में शोभायमान है।

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि
सब अँधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या माँहि।
सुखिया सब संसार है, खावै अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवै।।

(i) **(क)** जब मेरे मन में अहंकार था तब मुझे हरि के दर्शन नहीं हुए
व्याख्या: जब मेरे मन में अहंकार था तब मुझे हरि के दर्शन नहीं हुए
(ii) **(घ)** उन्हें ईश्वर की सर्वव्यापकता का ज्ञान हो गया और उनको हरि की प्राप्ति हो गई
व्याख्या: उन्हें ईश्वर की सर्वव्यापकता का ज्ञान हो गया और उनको हरि की प्राप्ति हो गई
(iii) **(ख)** आत्मज्ञान रूपी दीपक
व्याख्या: आत्मज्ञान रूपी दीपक
(iv) **(ख)** सभी
व्याख्या: सभी
(v) **(ख)** (iii) और (iv)
व्याख्या: परमात्मा का वास हमारे भीतर है है और इस सत्य को हम ज्ञान के प्रकाश से ही देख सकते हैं।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
सदियों पूर्व, जब लिटिल अंडमान और कार-निकोबार आपस में जुड़े हुए थे तब वहाँ एक सुंदर-सा गाँव था। पास में एक सुंदर और शक्तिशाली युवक रहा करता था। उसका नाम था तताँरा। निकोबारी उसे बेहद प्रेम करते थे। ततांरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता था। अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्त्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते थे। वक्त मुसीबत में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँव में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते थे। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता था।

(i) **(घ)** समूचे द्वीपवासियों की सहायता करना
व्याख्या: समूचे द्वीपवासियों की सहायता करना
(ii) **(ग)** क्योंकि वह सबकी सहायता करने के लिए तैयार रहता था
व्याख्या: क्योंकि वह सबकी सहायता करने के लिए तैयार रहता था
(iii) **(ख)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

(iv) **(ग)** मुसीबत में पड़े लोगों की सहायता करने के कारण
व्याख्या: मुसीबत में पड़े लोगों की सहायता करने के कारण
(v) **(ख)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(घ)** इसे पूरा होने में छह वर्ष का वक़्त लगेगा
व्याख्या: इसे पूरा होने में छह वर्ष का वक़्त लगेगा
(ii) **(ग)** विनम्र एवं शांत
व्याख्या: लेखक के अनुसार महान व्यक्ति का स्वभाव विनम्र एवं शांत होता है।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) कविता में कवि शरारती बच्चों और पक्षियों का वर्णन करके उनके माध्यम से निम्नलिखित बातें बताना चाहता है-
  i. बच्चे कंपनी बाग के द्वार पर रखे तोप पर घुड़सवारी करके ये साबित करना चाहते हैं कि जो तोप अपने जमाने में ताकतवर और विनाशकारी थी , वो आज बच्चो के खेलने की वस्तु मात्र है ।
  ii. चिड़ियों के माध्यम से कवि बताना चाहते हैं कि उन्हें भी इस तोप से अब भय नहीं है , वो उनके गपशप और खेलने का स्थान है ।
  iii. बच्चों और चिड़ियों दोनों का तात्पर्य है कि एकजुट होकर हम बड़े - से - बड़े ताकतवर और क्रूर शासन का ना केवल सामना कर सकते हैं , बल्कि उन्हें पराजित भी कर सकते हैं ।
  iv. जनसामान्य ने इस बात को भी सिद्ध कर दिया है कि उसे हथियारों के बल पर लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता।
  v. इस कविता से हमें ये भी सीख मिलती है कि समय सबका बदलता है , वो एक समान नहीं रहता ।

(ii) कवि की प्रस्तुत प्रार्थना मुझे अन्य प्रार्थना गीतों से अलग लगती है। सबसे पहले तो मैं इस प्रार्थना को अतुकान्त रूप या बिना किसी प्रत्यक्ष लय में आबद्ध पाता हूं। यह लय हम अस्पष्ट रुप में कुछ-कुछ पंक्तियों के अंतराल के बाद पाते हैं जो स्पष्ट नहीं है। कविता लेखन कला की दृष्टि से यह रचना कठिन जान पड़ती है। इसके अलावा इस कविता में हिन्दी के कुछ तत्सम या कठिन शब्दों का प्रयोग किया गया है। हम सामान्यतः देखते हैं कि अन्य प्रार्थनाओं में अकसर सुख, समृद्धि, दुखों एवं समस्याओं से निवारण संबंधित प्रार्थना होती है जबकि यह प्रार्थना उनसे बिलकुल ही अलग है वह केवल इतना चाहता है कि ईश्वर उसकी आत्मिक और नैतिक शक्ति बनाए रखें।अन्य प्रार्थनाओं के उलटे इस प्रार्थना में कवि ने अपना सारा बोझ ईश्वर पर नहीं डाला। कवि अपनी सहायता खुद करना चाहता है। वह केवल इतना चाहता है कि भगवान उसके आसपास रहे और उसे उसका मात्रा एहसास होता रहे। इस प्रार्थना की यही विशेषताएं इसे अन्य प्रार्थना गीतों से अलग करती हैं।

(iii) पर्वत प्रदेश में वर्षा ऋतु में प्राकृतिक सौंदर्य अत्यंत मनोहारी होता है। यही कारण है कि सबसे अधिक पर्यटन स्थल भी पर्वतीय प्रदेशों में ही पाए जाते हैं। वर्षा ऋतु के समय यहाँ का मौसम अत्यंत ठंडा हो जाता है। यहाँ की जलवायु और मौसम क्षण-क्षण में परिवर्तित होते रहते हैं। संध्या काल में डूबते सूर्य को देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे लाल रंग की गोलाकार वस्तु हमारे

बहुत समीप हो। बादल हमारे सिर के ऊपर ऐसे मंडराते हैं जैसे वह हमारे मित्र हों|
परंतु पहाड़ों पर रहने वाले लोगों के दैनिक जीवन में अनेकानेक कठिनाइयाँ हैं।
यहाँ संसाधनों का अभाव है। यदि तेज बारिश या तूफान आ जाएँ, तो गाँव-के-गाँव इसमें तबाह हो जाते हैं। वर्षा ऋतु के दौरान पर्वतीय मार्ग से नीचे उतर पाना एक जटिल कार्य है। इस कारण कुछ लोग रोजमर्रा के लिए आवश्यक सामग्री को भी जुटा नहीं पाते। सड़क मार्ग, संचार व्यवस्था, चिकित्सीय सुविधाओं से भी यहाँ के लोग वंचित हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि पहाड़ों पर रहने वाले लोगों को अपने दैनिक जीवन में बहुत-सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) जब दोनों भाई मैदान में खड़े थे ,संयोग से उसी वक्त एक कटी हुई पतंग उनके ऊपर से गुजरी। उसकी डोर लटक रही थी। भाई साहब लंबे थे, उन्होंने ही उछलकर उसकी डोर पकड़ ली और बेतहाशा हॉस्टल की ओर दौड़े। मैं पीछे-पीछे दौड़ रहा था। ये उनके भीतर बच्चा होने का प्रमाण है।

(ii) आत्मविश्वास वह गुण है, जो बड़ी-से-बड़ी चुनौती का भी सामना करने में हमारी सबसे अधिक मदद करता है। आत्मविश्वास के बल पर ही हम सामने वाले के मनोबल को कम कर सकते हैं। यह गुण हमें कभी भी निराशा के भँवर में नहीं फँसने देता। कभी-कभी यह बड़े-बड़े चक्रव्यूह से निकलने में भी सहायता करता है। वज़ीर अली का आत्मविश्वास ही अंग्रेजों से लोहा लेने में उसका सहायक बनता है। फिर चाहे वह वकील का क़त्ल हो, जंगलों में मुट्ठीभर साथियों के साथ रहना हो या फिर शाहे -ज़मा को युद्ध का निमंत्रण देना हो। आत्मविश्वास ही उसे कर्नल के खेमे में अकेले जाने की हिम्मत देता है और कारतूस लेकर अपना नाम बताकर लौटने में भी मददगार साबित होता है। अतः जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए आत्मविश्वास को बनाए रखना अत्यधिक आवश्यक है।

(iii) आज लोगों के जीवन की गति बहुत बढ़ गई है। लोग आज सामान्य ढंग से चलने की बजाय बेतहाशा भागते हैं ताकि वे अधिक-से-अधिक काम कर सकें। वे स्वाभाविक रूप से बोलने की बजाय आवेश में बोलते हैं या यूँ कहना चाहिए कि बकते हैं क्योंकि उनके पास स्वाभाविक रूप से बोलने के लिए समय ही नहीं होता। वे लोग अकेले में भी शांत नहीं होते। उनके जीवन में तनाव, निराशाएँ और कुंठाएँ घर बना लेती हैं। ये उनके जीवन को पूरी तरह से हिलाकर रख देते हैं। इस तरह के लोग एकांत में भी बड़बड़ाते रहते हैं। उन्हें लगता है कि उनके पास समय ही नहीं है। अतः वे तनाव से भरा हुआ जीवन जीते हैं।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) आम आदमी की धर्म के प्रति अंधश्रद्धा का तथाकथित धर्म के ठेकेदार अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए इस्तेमाल करते हैं। वे मनुष्यों को मोह और माया की पट्टी पढ़ाकर उनका सब कुछ हथिया लेना चाहते हैं।
' हरिहर काका ' कहानी में काका भी इसी प्रकार के शिकार हुए । महंत को जब पता चला कि काका की अपने भाइयों के परिवार से मेल नहीं है,तो उसने उनके खिलाफ षडयंत्र करके उनकी जायदाद को हड़पने का प्रयास किया।
ऐसी स्थिति में व्यक्ति का वैज्ञानिक दृष्टिकोण ही उसकी मदद कर सकता है।बिना तर्क के इन समस्याओं से हम छुटकारा नहीं पा सकते हैं।

(ii) लेखक के स्कूल में छुट्टी होते ही वे अपनी छुट्टियों जी की योजना बनाने लगते थे। वे छुट्टियों में स्कूल में मिला हुआ काम पूरा करना चाहते थे वरना उन्हें स्कूल में मार खाने का डर रहता था। काम के साथ छुट्टियों में खेलना भी जरूरी था और वे खेल के सामने अपनी पढ़ाई भी भूल जाते थे। जैसे - जैसे छुट्टियाँ बीतती थी वैसे - वैसे उनकी नई योजनाएँ बनती थी पढ़ाई करने के लिए। परन्तु जब ऐसी योजनाएँ बनाते हुए छुट्टी समाप्त हो जाती तो उन्हें 'ओमा' की याद आती थी। वे उसकी तरह बहादुर बनने की कल्पना करते थे और सवाल हल करने के बदले शिक्षक की पिटाई को सस्ता सौदा समझते थे|

(iii) बुजुर्ग हमारी धरोहर होते हैं। वे ऐसी विरासत होते हैं जो हमें कुछ न कुछ सिखाते हैं। वे अनुभवी होते हैं। उनके अनुभवों से हम नवीन ज्ञान प्राप्त करते हैं। वे हमारे नैतिक और चारित्रिक बल को ऊँचा उठाते हैं। टोपी जब भी इफ्फन के घर जाता था तो कई बार उसकी अम्मी और बाजी उसकी भाषा का मजाक उड़ाती थीं तो इफ्फन की दादी ही उनका बीच-बचाव करती थीं। उसे दादी के व्यवहार से बड़ा ही अपनापन मिलता था। हम भी अपने घर में रह रहे बुजुर्गों का सम्मान करते हैं। हम उनकी उचित देखभाल करेंगे और उनकी सेवा करेंगे।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. परीक्षा भवन,
गाजियाबाद।
दिनांक 13 मार्च, 20XX
सेवा में,
विद्युत अधिकारी,
गाजियाबाद।
विषय विद्युत कटौती के संदर्भ में।
महोदय,
इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान बिजली संकट की ओर दिलाना चाहता हूँ। पिछले चार-पाँच महीनों से इस क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बहुत खराब स्थिति में है। कोई समय निश्चित नहीं है कि बिजली की कटौती कब-से-कब तक की जाएगी और वह कब आएगी? बिजली जाती है, तो घंटों तक नहीं आती है।
श्रीमान, मैं एक विद्यार्थी हूँ। बोर्ड की परीक्षाएँ निकट हैं। मेरे जैसे अन्य विद्यार्थी भी इस समस्या से तनाव की स्थिति में रहते हैं। इन्वर्टर भी चार्ज नहीं हो पाता है। गर्मी और मच्छरों का आतंक इतना है कि रात्रि में सोना भी मुश्किल हो गया है। जिसके कारण सारी दिनचर्या अस्त -व्यस्त हो जाती है। यदि ऐसा ही चलता रहा, तो हमारे अध्ययन एवं करियर पर इसका अत्यंत नकारात्मक असर पड़ेगा।
कृपया हमारी समस्या पर ध्यान देते हुए मोहल्ले में नियमित बिजली आपूर्ति के लिए शीघ्रातिशीघ्र ठोस कदम उठाएँ।
धन्यवाद।
भवदीय
संदीप

अथवा

सेवा में,
नगर निगम जयपुर
जयपुर।
विषय - नालियों की सफाई व कीटनाशक दवाओं के छिड़काव के संदर्भ में।

महोदय,
श्रीमानजी, इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान हमारे क्षेत्र बरकत नगर की सफाई व्यवस्था की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। हमारे क्षेत्र बरकत नगर में सभी नाले व नालियाँ गंदगी से भरे पड़े हैं तथा उनका गंदा पानी गलियों में बह रहा है। बारिश का मौसम भी शुरू हो चुका है जिसके कारण चारों ओर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई है। इसमें मक्खियाँ व मच्छर पनप रहे हैं जिससे लोगों का जीवन बेहाल हो गया है। साथ ही मलेरिया, डेंगू फैलने का खतरा बना है। आजकल तो वैसे भी स्वच्छ भारत अभियान भी चल रहा है। अतः आपसे अनुरोध है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कृपया नालियों की सफाई व कीटनाशक दवाओं के छिड़काव की समुचित व्यवस्था के लिए उचित कार्यवाही करें।
धन्यवाद।
भवदीय,
मुकेश कुमार
बरकत नगर
दिनांक 20/8/20XX

15. वास्तव में परीक्षा के दिन कठिन उन विद्यार्थियों के लिए होते हैं, जो परीक्षा से जूझने के लिए, परीक्षा में खरा उतरने के लिए, पहले से ही समय के साथ-साथ तैयारी नहीं करते। जो विद्यार्थी प्रतिदिन की कक्षाओं के साथ-साथ परीक्षा की तैयारी भी करते जाते हैं, उन्हें परीक्षा का सामना करने से डर नहीं लगता। वे तो परीक्षा का इंतजार करते हैं। उन्हें परीक्षा के दिन कठिन नहीं, सुखद लगते हैं। वे परीक्षा की कसौटी पर खरा उतरना चाहते हैं और खरा उतरना जानते भी हैं, क्योंकि जिस प्रकार सोने को कसौटी पर परखा जाता है, उसी प्रकार विद्यार्थी की योग्यता की परख परीक्षा की कसौटी पर होती है। यही एक प्रत्यक्ष प्रमाण या मापदण्ड होता है, जिससे परीक्षार्थी के योग्यता-स्तर को जाँच कर उसे अगली कक्षा में प्रवेश के लिए या नौकरी के योग्य समझा जाता है।

परीक्षा तो विद्यार्थियों को गंभीरतापूर्वक अध्ययन करने के लिए कहती है। परीक्षा में अधिकाधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रतिभाशाली विद्यार्थी परीक्षा की डटकर तैयारी करते हैं, उन्हें परीक्षा से डर नहीं लगता। परीक्षा विद्यार्थियों में स्पर्धा की भावना भरती है तथा उनकी आलसी प्रवृत्ति को झकझोर कर परिश्रम करने में सहायक बनती है। परीक्षा तो परीक्षा ही होती है। पर परीक्षा-पद्धति ऐसी होनी चाहिए, जिससे विद्यार्थी की शिक्षा का मूल उद्देश्य पूरा हो, उसकी योग्यता की सही जाँच हो और उसे परीक्षा के दिन कठिन न लगें। इसके लिए सार्थक प्रयास करने होंगे और ये प्रयास तभी सफल होंगे, जब उन्हें सुनियोजित योजना के तहत लागू किया जाएगा।

अथवा

समाज में, नारी के माँ, प्रेयसी, पुत्री, पत्नी अनेक रूप हैं। सम परिस्थितियों में वह देवी है तो विषम परिस्थितियों में दुर्गा-भवानी। नाना रूपों में मानव जीवन को प्रभावित करने वाली नारी समाज रूपी गाड़ी का एक पहिया है जिसके बना समग्र समाज पंगु हैं।

मानव जाति के इतिहास पर विचार करें तो ज्ञात होगा कि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, साहित्यिक, धार्मिक आदि सभी क्षेत्रों में प्रारम्भ से ही नारी की अपेक्षा पुरुष का आधिपत्य रहा है। उसने नारी की स्वतन्त्रता छीनकर उसे पराधीन बना दिया। पुरुष प्रधान समाज से नारी के मन मस्तिष्क में यह बात अच्छी तरह जमा दी कि वह असहाय, हीन और अबला है किन्तु वर्तमान समय में नारी ने स्वयं को जगाया, ऊपर उठाया, संघर्ष का संबल प्राप्त किया। स्वयं को शिक्षित करके अपने जीवन को प्रत्येक परिस्थिति का मसाना करने के योग्य बनाया। आज की नारी अबला न रहकर सबला है।

वह पूरी तरह आत्मनिर्भर रहकर परिवार, समाज तथा राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे रही है। वर्तमान युग में नारी शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, सुरक्षा, राजनीति, विज्ञान, खेलकूद हर दिशा में आगे आ

रही है।
नारी-जीवन के विकास पर आज समाज गर्व करता है। समाज के हर कार्य, हर क्षेत्र में आज पुरुष के समान नारी के महत्व को स्वीकार किया जा रहा है।

अथवा

आलस्य : मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु

आलस्य दुःख, दरिद्रता, रोग परतंत्रता, अवनति आदि का जनक है। आलस्य के रहते हुए मनुष्य को विकास और उसके ज्ञान में वृद्धि का प्रश्न ही नहीं उठता। आलस्य को राक्षसी प्रवृत्ति की पहचान कहा जाता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से प्रातःकाल की शुद्ध वायु अत्यंत आवश्यक है। आलसी व्यक्ति इस हवा का आनंद भी नहीं उठा पाते और प्रातःकालीन भ्रमण एवं व्यायाम के अभाव में उनका शरीर रोगग्रस्त हो जाता है। आलसी विद्यार्थी पूरा वर्ष सोकर गुजारता है और परिणाम आने पर सबसे आँखें चुराता है। आलस्य मनुष्य की इच्छाशक्ति को कमज़ोर बनाकर उसे असफलता के गर्त में धकेल देता है। आलसी को छोटे-से-छोटा काम भी पहाड़ के समान कठिन लगने लगता है और वह इससे छुटकारा पाने के लिए तरह-तरह के बहाने तलाशने लगता है।
आलस्य का त्याग करने से मनुष्य को अपने लक्ष्य को निश्चित समय में प्राप्त करने में सफलता मिलती है।जीवन में निरंतर सक्रिय रहने से मनुष्य के चेहरे और मन में स्फूर्ति बनी रहती है और बड़ी आयु होने पर भी उसका अहसास नहीं होता। आलस्य मनुष्य का एक बड़ा शत्रु माना जाता है इसलिये उससे मुक्ति पाना ही श्रेयस्कर है। कोई काम सामने आने पर उसको तुरंत प्रारंभ कर देना चाहिये यही जीवन में सफलता का मूलमंत्र है

16.

वाटिका अपार्टमेन्ट

सूचना

30 मार्च, 2019

हमारी सोसाइटी के समस्त वरिष्ठ नागरिकों को सूचित किया जा रहा है कि इस बार उनके मनोरंजन के लिए एक विशेष समारोह का आयोजन किया जा रहा है। उसके प्रमुख आकर्षक में संगीत सभा, कव्वाली, नाटक, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी आदि शामिल हैं। अतः आप सबसे विनम्र निवेदन है कि इस आयोजन का संपूर्ण रूप से लाभ उठाते हुए रात्रिभोज का विशेष रूप से आनन्द उठाएँ।
साधना सक्सेना
अध्यक्षा

अथवा

दिल्ली पब्लिक विद्यालय

सूचना

20 मई 201

हमारे विद्यालय के प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि अधिक-से-अधिक धन राशि एकत्रित करके सुनामी पीड़ितों की सहायता की जाए। अतः आप सबको सूचित किया जाता है कि अधिक-से-अधिक दान देकर इस अमूल्य कार्य में सहयोग दें। अतिरिक्त जानकारी हेतु स्कूल प्रशासन द्वारा नियुक्त अधिकारी से संपर्क करें।
अभिषेक वर्मा
हेड ब्वाय

17.

वृक्ष की व्यथा

मैं एक वृक्ष हूँ और आज मैं आपको अपनी लघुकथा सुना रहा हूँ। सबसे पहले मैं एक बीज के रूप में जमीन के अंदर बो दिया जाता हूँ। फिर मिट्टी, पानी और हवा की मदद से मुझमें ज़मीन के अंदर

जड़ें, ज़मीन के बाहर कोंपलें फूटती, फिर डालियाँ निकलती हैं और फिर कुछ वर्षों में मैं एक विशाल वृक्ष बन जाता हूँ, लेकिन मेरी असली कहानी यहीं से शुरू होती है।
बड़े होने के बाद मुझमें फल आने लगते हैं और लोग मेरे फलों का आनन्द लेते है और कुछ लोग उनसे अपनी कमाई भी कर लेते हैं। मैं सभी को फल के अलावा शुद्ध हवा और गर्मी से बचने के लिए छाँव भी देता हूँ और फिर जब मैं बूढ़ा हो जाता हूँ, तो मुझे काटकर उसी घर के चूल्हे में जला दिया जाता है, जिसकी सेवा में मैंने अपना पूरा जीवन लगा दिया।

अथवा

From: renu@mycbseguide.com
To: abcschool@gmail.com
CC ...
BCC ...
विषय - चरित्र प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के संबंध में
महोदय,
विनम्र निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की नौवीं 'अ' की छात्रा हूँ। मैंने फरवरी 2019 में एक छात्रवृत्ति परीक्षा दी थी, जिसमें मुझे सफल घोषित किया गया है। इसमें अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ चरित्र प्रमाण-पत्र भी माँगा गया है। मैंने गत वर्ष अपनी कक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। मैं गरीब परिवार से हूँ। पिता जी किसी तरह से मेरी पढ़ाई का खर्च वहन कर रहे हैं। यह छात्रवृत्ति मिलने से मेरी पढ़ाई का खर्च सुगमता से पूरा हो जाएगा।
आपसे प्रार्थना है कि मेरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए मुझे चरित्र प्रमाण-पत्र प्रदान करने की कृपा करें। मैं आपकी आभारी रहूँगी।
रेणु यादव

रंगो की दुनिया में स्वागत हैं आपका ...
विलक्षण चित्र प्रदर्शनी

स्थानः गोविन्द महाविद्यालय, राज नगर, दिल्ली

छात्रों की विलक्षण प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन!
आईए आईए उनका मनोबल बढ़ाइए
अपने सदन को विशेष चित्रकला से अलंकृत कीजिए- 16 मार्च 2018
सुबह 9 बजे से 7 बजे तक
पहले 7 ग्राहको के लिए 29% छूट
₹ 1000 से शुरू ...
मोबः 94120XXXX
18. शर्तें लागू

अथवा

सुरमयी शाम्म आपके नाम्
सुर संगम संस्था प्रस्तुत करती है नृत्य एवं संगीत के सुरों से सजी एक शाम आपके नाम
दिनांक - ________

स्थान - रवीन्द्र समूह प्रेक्षागृह, कारगी चौक
मुख्य आकर्षण - कथक नृत्यांगना ________

भजन सम्राट ________

नोट : टिकट मिलने का स्थान :1. अ ब स विद्यालय
2. मेगा मार्ट स्टोर, कारगी चौक